भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 184

02 फरवरी, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

आयुर्वेद का वैश्विक स्तर पर प्रोत्साहन

184. श्री दुष्यंत सिंह:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने आयुर्वेद को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने के लिए कोई कदम उठाए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने आयुष क्षेत्र में निवेश को आकर्षित करने के लिए कोई योजना/नीति कार्यान्वित की है;

(ग) यदि हां, तो आयुष क्षेत्र में स्टार्टअप हेतु योजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार देशभर में क्षेत्रीय होम्योपैथी अनुसंधान संस्थान स्थापित करने की योजना बना रही है; और

(ङ) यदि हां, तो झालावाड़-बारां सहित तत्संबंधी राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

आयुष मंत्री (श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क), (ख) और (ग): जी हां, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयुष चिकित्सा पद्धति को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने के लिए उठाए गए कदम इस प्रकार हैं:

- बाहरी देशों से 24 अलग-अलग देशों के साथ समझौता ज्ञापनों (एमओयू), 46 संस्थान स्तर के एमओयू और 15 पीठ एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। जामनगर, गुजरात में भारत में पारंपरिक चिकित्सा का डब्ल्यूएचओ वैश्विक केंद्र (जीसीटीएम) स्थापित करने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। पारंपरिक चिकित्सा पर सहयोग के लिए कई द्विपक्षीय और बहुपक्षीय मंचों के साथ काम कर रहा है। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा विभिन्न व्यापार समझौतों में भी मंत्रालय भाग लेता है। आयुष में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय क्षेत्र योजना (आईसी योजना) के तहत अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयुष को बढ़ावा देता है और आयुष उत्पादों तथा सेवाओं के निर्यात के लिए भारतीय आयुष विनिर्माताओं/आयुष सेवा प्रदाताओं को सहायता प्रदान करता है; आयुष चिकित्सा पद्धति के अंतर्राष्ट्रीय संवर्धन, विकास और मान्यकरण के लिए मदद देता है; हितधारकों के साथ बातचीत तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयुष बाजार के विकास को बढ़ावा देता है; भारत में 102 देशों के पात्र विदेशी नागरिकों को हर साल 104 छात्रवृत्तियां प्रदान करता है; और प्रशिक्षण कार्यशाला/संगोष्ठी आयोजित करता है।
- आयुष क्षेत्र में नीति निर्माण में सहायता, नीतिगत बेंच मार्किंग और नए संभावित घरेलू और विदेशी बाजारों की पहचान करने के लिए स्ट्रेटेजिक पॉलिसी एंड फैसिलिटेशन ब्यूरो (एसपीएफबी) की स्थापना के लिए इन्वेस्ट इंडिया के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

- आयुष मंत्रालय ने वैश्विक आयुष निवेश और नवाचार शिखर सम्मेलन (जीएआईआईएस), 2022 का आयोजन किया जिसका उद्देश्य नवाचार पर विशेष रूप से तैयार किए गए कार्यक्रम के लिए देश के प्रमुख स्टार्टअप, उद्यमियों, निवेशकों, नीति निर्माताओं और अन्य राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय हितधारकों को एक साथ लाने और भारत को उद्यमिता के लिए एक वैश्विक आयुष गंतव्य बनाना था।
- आयुष क्षेत्र में ऑटोमैटिक रूट से 100% एफडीआई की अनुमति है।
- आयुष से संबंधित स्टार्ट-अप और उद्यमियों की सहायता के लिए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (आयुष मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संगठन) में एक इनक्यूबेशन केंद्र एआईआईए-आईसीएआईएनई स्थापित किया गया है। एआईआईए-आईसीएआईएनई ने एआईआईए, नई दिल्ली में स्टार्टअप्स को मेंटरशिप और विभिन्न नैदानिक सुविधाएं प्रदान की हैं।

(घ) और (ङ): केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय के तहत होम्योपैथी में वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए एक शीर्ष निकाय है और देश भर के विभिन्न राज्यों यानी आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, असम, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, ओडिशा, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल (2) में इसके 10 क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान हैं। वर्तमान में, केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद के अधीन नया क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान स्थापित करने की ऐसी कोई योजना नहीं है।

*****